आपका स्थान – माँ के रूप में अपने बच्चों और पोते-पोतियों के
लिए

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु के नाम की स्तुति हो। आइए हम बाइबल से सीखें।

ईश्वर का वचन कहता है:

नीतिवचन 22:6 – “बच्चे को उसकी उचित राह पर प्रशिक्षित करो,
और वह बुढ़ापे में भी उससे नहीं भटकेगा।”

जब आप अपने बच्चे को उसकी उचित राह पर प्रशिक्षण देते हैं, तो वह बड़े होने पर भी उस मार्ग से नहीं भटकेगा। इसका अर्थ यह भी है कि जब वह स्वयं माता-पिता बनेगा, तो आपके पोते-पोतियाँ भी आपके दिए गए संस्कारों से लाभान्वित होंगे। जो आपने अपने बच्चे को सिखाया, वह उसे अपने बच्चों को भी सिखाएगा। इस तरह आपका परिवार कई पीढ़ियों तक पवित्र और धन्य रहेगा।

यदि आप किसी पोते-पोती में किसी समस्या को देखते हैं, तो जान लें कि यह समस्या अक्सर दादी-दादा से शुरू होती है, फिर माता-पिता तक और अंततः पोते-पोती तक पहुँचती है। लेकिन अगर दादी या दादा ने अपने बच्चे को सही मार्ग पर, ईश्वर से प्रेम करने और उसे मानने की राह पर बड़ा किया है, तो वह बच्चा भी अपने बच्चों को वही राह सिखाएगा। इस प्रकार जन्म लेने वाले पोते-पोतियाँ भी अच्छे

चरित्र और परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले बनेंगे।

बाइबल का एक उदाहरण देखें:

एक ऐसा उदाहरण है जहाँ एक बुजुर्ग महिला ने अपने बच्चे को सही तरीके से बड़ा किया और उसका पोता भी नेक व्यवहार वाला बना।

यह महिला थी दादी लोइस, जिसकी बेटी का नाम यूनिके था। यूनिके ने पुजारी तीमोथियुस को जन्म दिया, जो प्रभु के सेवक बने।

2 तीमोथियुस 1:4-5 –

“और मैं बहुत चाहता हूँ कि मैं तुझे देखूँ, जब मैं तेरे
आँसुओं को याद करता हूँ, कि मैं आनंद से भर जाऊँ; और मैं तेरी असम्पृश्य विश्वास को याद करता हूँ, जो पहले तेरी दादी लोइस में और तेरी माँ यूनिके में स्थित था, और मैं विश्वास करता
हूँ कि तू में भी है।”

यहाँ हम देखते हैं कि पॉल ने तीमोथियुस को लिखा और उनकी आस्था का स्रोत बताया – यह उनकी दादी लोइस और माँ यूनिके से शुरू हुआ। इसका अर्थ है कि तीमोथियुस का परमेश्वर से प्रेम उनके स्वयं से

नहीं शुरू हुआ, बल्कि उनकी दादी से शुरू हुआ। यही कारण है कि तीमोथियुस ने प्रभु यीशु के सुसमाचार को जल्दी स्वीकार किया और कई चर्चों का पादरी बन गया।

तीमोथियुस सीधे यहूदी नहीं थे, बल्कि उनकी माँ यहूदी थी और पिता यूनानी। इसके बावजूद, दादी और माँ का पालन-पोषण उन्हें कई अन्य युवाओं से श्रेष्ठ बनाया।

कार्य 16:1-3 –

“और वह दर्बे और लिस्ट्रा पहुँचा, और वहाँ एक शिष्य था जिसका
नाम तीमोथियुस था, जो विश्वास करने वाली यहूदी स्त्री का
पुत्र था, लेकिन उसका पिता यूनानी था। उसे लिस्ट्रा और
इकोनिओ के भाइयों ने अच्छा जाना। पॉल उसे अपने साथ चलाने चाहता था, और उसे यहूदियों के कारण छेदा, क्योंकि सब जानते
थे कि उसका पिता यूनानी था।”

आप एक माता-पिता के रूप में अपने बच्चों और पोते-पोतियों को क्या विरासत देंगे? क्या केवल शिक्षा ही आपके लिए महत्वपूर्ण है?

यदि आपके बच्चे केवल दुनियावी शिक्षा प्राप्त करें और उनके जीवन में परमेश्वर न हो, तो आप उन्हें खो देंगे, चाहे वे भविष्य में कितने भी अमीर क्यों न हों।

दादी लोइस ने अपने पोते के भविष्य की महिमा देखी और यह सुनिश्चित किया कि उनका पोता परमेश्वर के कार्य में सक्षम सेवक बने। उन्होंने अपनी बेटी यूनिके को सही शिक्षा दी, और यूनिके ने तीमोथियुस को सही मार्ग में सिखाया।

इतिहास में कई शिक्षित और अमीर युवा थे, लेकिन आज उनके बारे में कोई नहीं जानता। परंतु तीमोथियुस की कहानियाँ आज भी लाखों लोगों को लाभ पहुँचा रही हैं। परमेश्वर ने तीमोथियुस को अमिट स्मृति दी।

यदि हम भी अपने बच्चों को सही मार्ग पर प्रशिक्षित करेंगे, तो हमारी विरासत बच्चों, पोते-पोतियों और आने वाली पीढ़ियों तक स्थायी रहेगी।

क्या करें:

अपने बच्चों को बाइबल सिखाएँ।

उन्हें यीशु को केवल गणित की तरह न पढ़ाएँ, बल्कि उनके जीवन में परमेश्वर के आदेश और प्रार्थना तथा पूजा का महत्व समझाएँ।

यदि आप परमेश्वर को उनके जीवन में पहला स्थान देते हैं, तो परमेश्वर उनके सभी मामलों में पहला स्थान देंगे।

भगवान हम सभी को आशीर्वाद दें।
मरानाथा।

Share on:
WhatsApp

Print this post